



दैनिक समसामयिकी (Daily Current Affairs) 7 December 2020

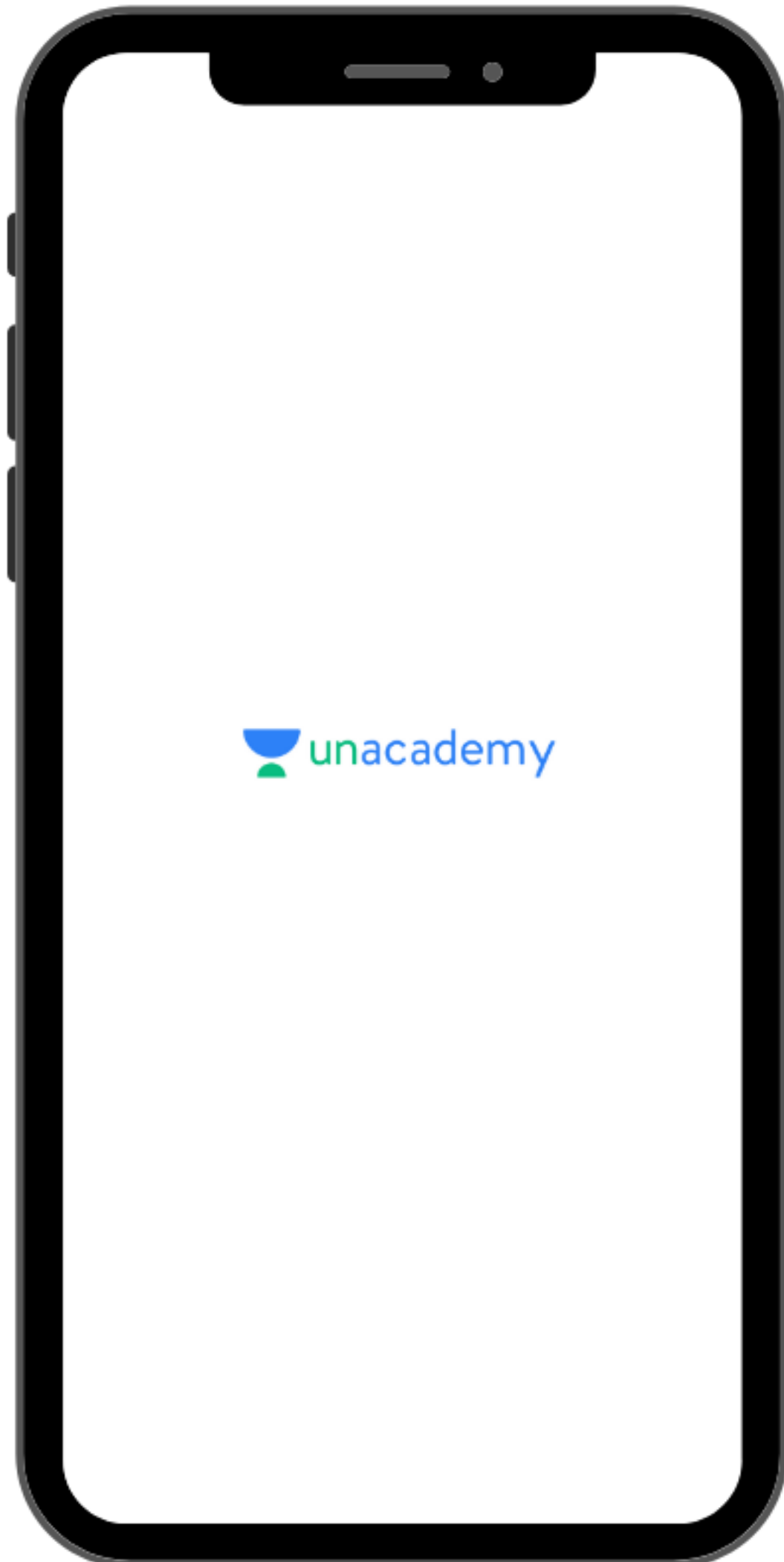
by - Varun Pachauri

Subscribe to Unacademy Plus

For 10% OFF Use Code

CIVILHINDIPEDIA

Unacademy Learning App



- ➔ Structured Batches with Top Educators
- ➔ Batches in Hindi, English and Bilingual
- ➔ Late night as well as 2 year batches
- ➔ 100% syllabus coverage
- ➔ Vast range of Optionals
- ➔ Prelims Test series with evaluation
- ➔ Mains Test Series with evaluation
- ➔ Dedicated Doubt Clearing Classes
- ➔ Daily Current Affairs Practice
- ➔ Essay & Answer Writing Practise
- ➔ Performance Analysis
- ➔ Sectional Quizzes
- ➔ Interview Preparation



Plus UPSC CSE Subscription

unacademy

Question

ROHIT SACHAN:
Sir please solve the one more doubt...

NO₂⁺
E⁺ → attacks on e⁻ rich system

Chaudhuri nitration

Rohit Sachan Sir Baa rha mera

Sinchon Dutta Chaudhuri right

Shoaib Alam Left

Vsvsg Right

Prashant Singh joined

Rohit Sachan Left

Revision Test

Test

$P_{total} = 4$

Gas

View solutions Share your results

68 correct 2 un

Physics Chemistry Mathematics

Physics

Score 88/120 Accuracy 73%

NEGATIVE MARKING YOU MISSED OU

- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

4:56 50%

UPSC CSE - GS subscription

PLUS ICONIC*

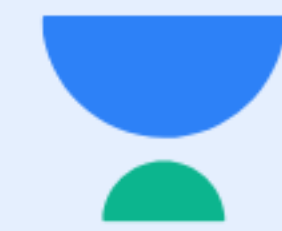
- ✓ India's Best Educators
- ✓ Interactive Live Classes
- ✓ Structured Courses & PDFs
- ✓ Live Tests & Quizzes
- ✗ Personal Coach
- ✗ Mains Q&A practice

UPSC CSE - GS Iconic prices will be increased soon

12 months	₹49,500	>
No cost EMI	₹4,125 per month	
24 months	₹72,000	>
No cost EMI	₹3,000 per month	
36 months	₹90,000	>
No cost EMI	₹2,500 per month	

View all plans

Have a referral code?



Iconic UPSC CSE Subscription

unacademy

Question

ROHIT SACHAN:
Sir please solve the one more doubt...

16. In the following reaction, the product of the reaction is...

NO_2^+
 $\text{E}^+ \rightarrow$ attacks on π rich system

$\text{HNO}_3/\text{H}_2\text{SO}_4$

e^- deficient

Chaudhuri nitration

Rohit Sachan Sir B aa rha mera

Sinchan Dutta Chaudhuri right

Shoab Alam Left

Vsvsgg Right

Prashant Singh joined

Rohit Sachan Left

Revision Test

K_2CO_3

$\text{P}_{\text{gas}} = 4$

nt

gas

View solutions Share your results

68 correct 2 un

Review Physics Chemistry Mathematics

Physics

Score Accuracy
88/120 73%

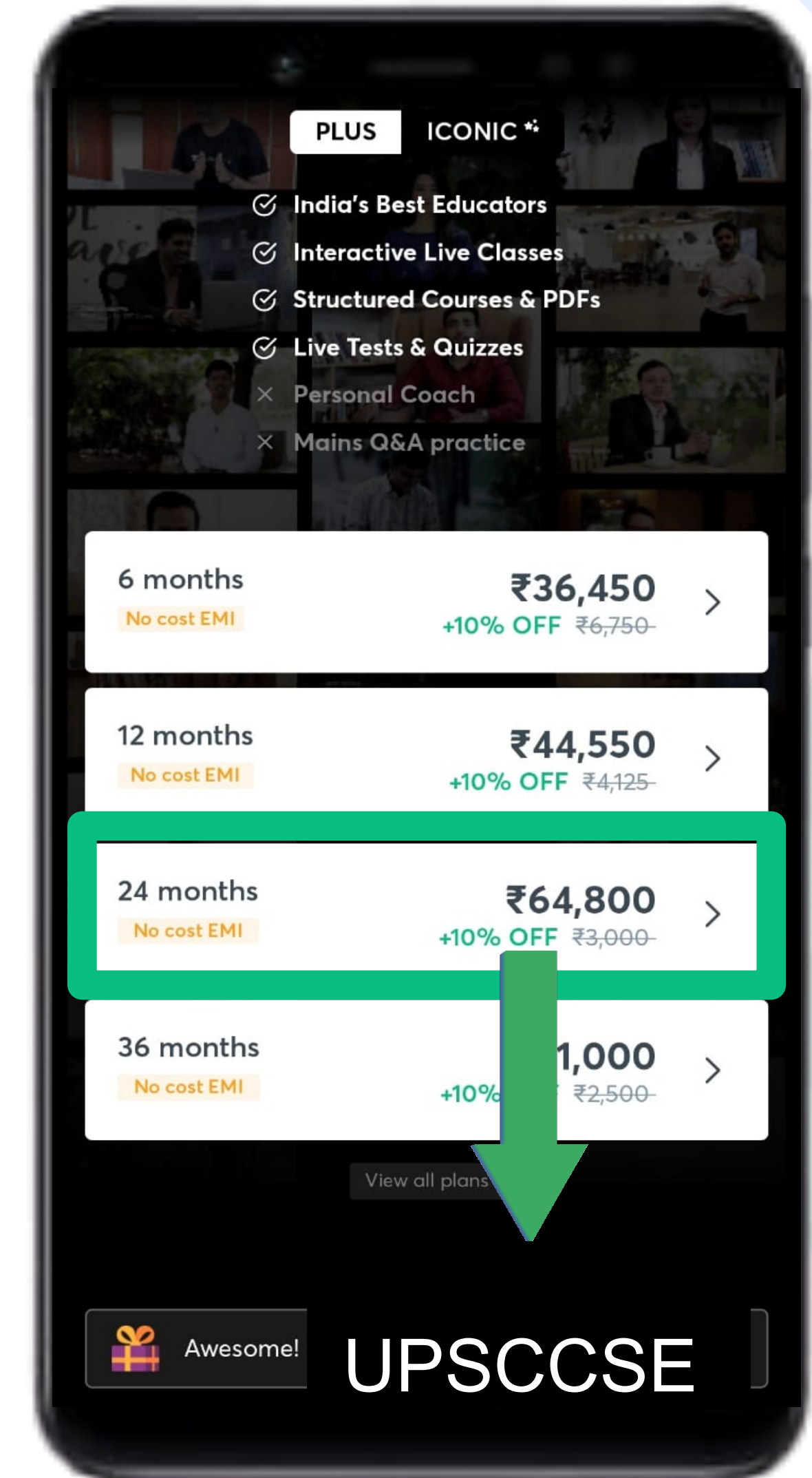
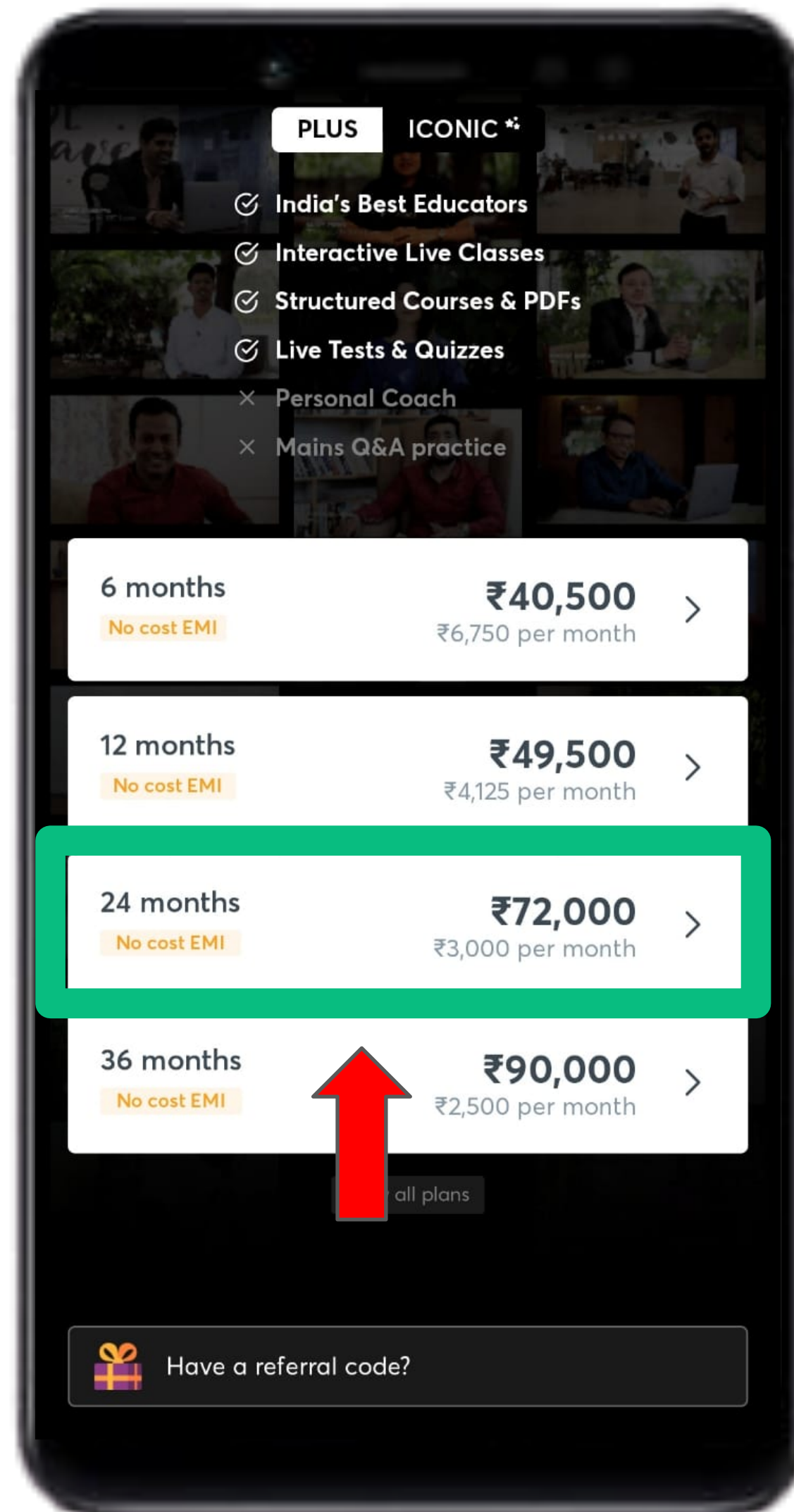
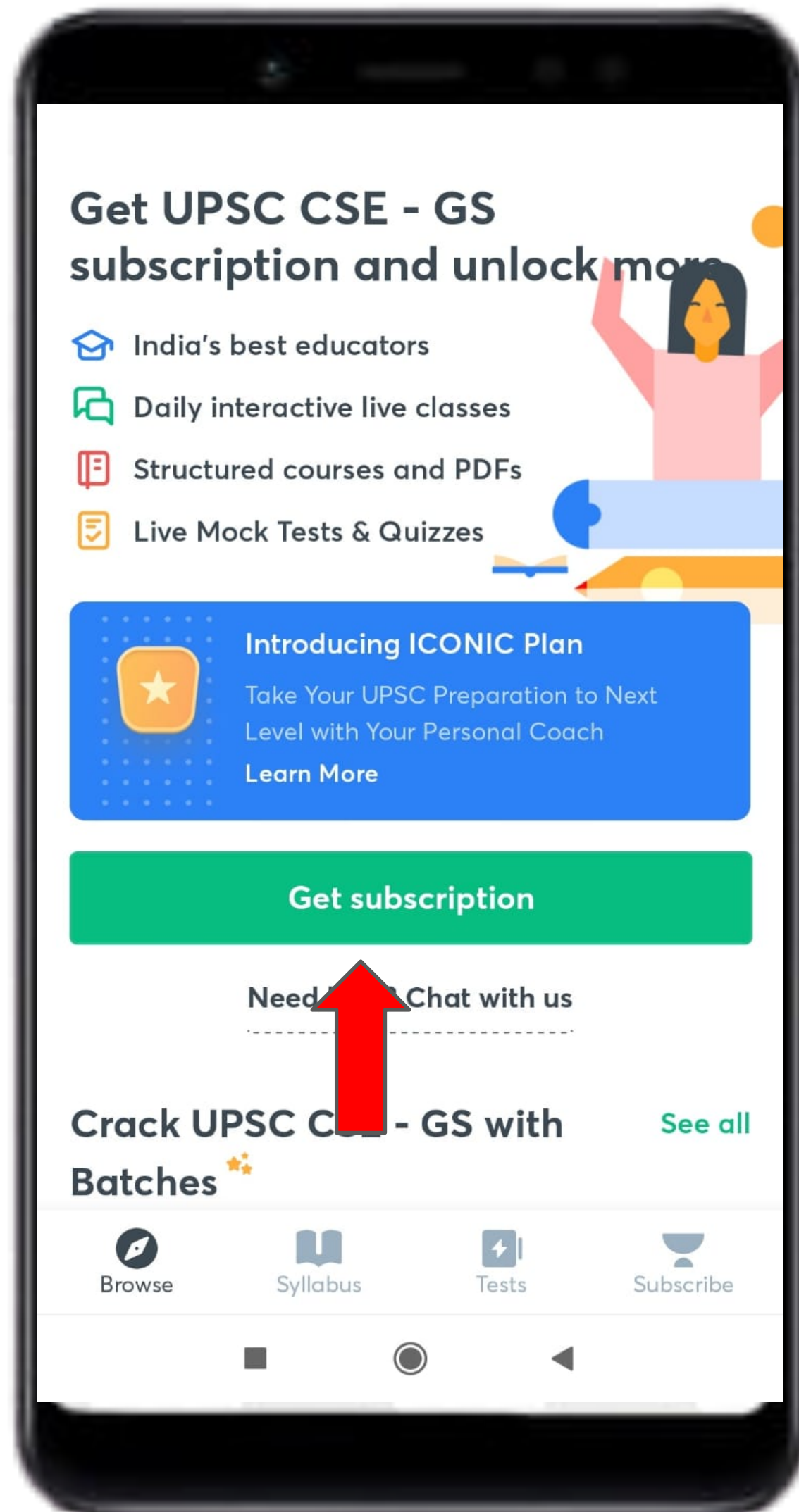
NEGATIVE MARKING

YOU MISSED OU

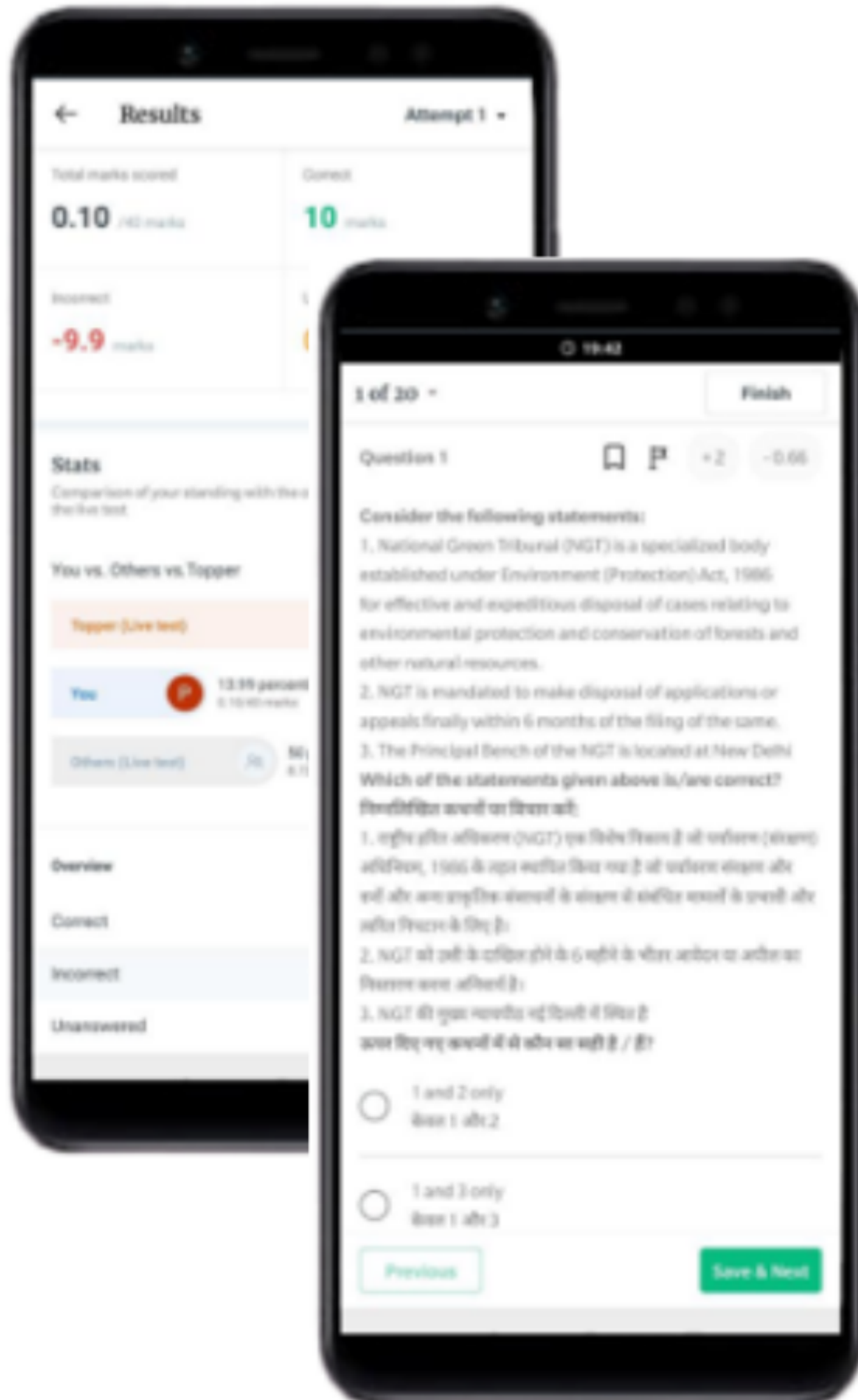
- Personal Coach
- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard

- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

Get Subscription Now



Subscribe now and Get 10% Extra Off. Apply Code - "CIVILHINDIPEDIA"



To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: **CIVILHINDIPEDIA**



समसामयिकी

विविध स्रोतों से



पुलिस थानों में CCTV: SC (CCTV in Police Stations: SC)





- हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court) ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों से यह सुनिश्चित करने के लिये कहा है कि प्रत्येक पुलिस स्टेशन में CCTV (Closed-Circuit Television) कैमरे लगाए जाएँ।
- डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (2015) के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि मानवाधिकारों के हनन की जाँच के लिये हर थाने और जेल में CCTV लगाए जाएँ।

- 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने गृह मंत्रालय (The Ministry of Home Affairs) को जाँच के दौरान अपराध स्थल की वीडियोग्राफी का उपयोग करने हेतु एक केंद्रीय पर्यवेक्षण निकाय (Central Oversight Body) गठित करने को कहा। सर्वोच्च न्यायालय ने पाया है कि अधिकांश राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस थानों में CCTV नहीं लग पाए हैं।

- नवीनतम दिशा-निर्देश-
- राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि प्रत्येक पुलिस स्टेशन के सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं, मुख्य द्वार, लॉक-अप, गलियारों, लॉबी तथा रिसेप्शन पर CCTV कैमरे लगाए जाएँ। साथ ही लॉक-अप कमरों के बाहर के क्षेत्र में भी कोई स्थान खुला नहीं छोड़ा जाए। सीसीटीवी सिस्टम को नाइट विज़न से लैस किया जाना चाहिये और इसमें ऑडियो के साथ-साथ वीडियो फुटेज की व्यवस्था भी होनी चाहिये।

- साथ ही केंद्र, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिये ऐसे सिस्टम खरीदना अनिवार्य होगा जिससे कम-से-कम एक साल से अधिक समय के लिये डेटा का भंडारण किया जा सके। केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय जांच ब्यूरो (Central Bureau of Investigations), प्रवर्तन निदेशालय (Enforcement Directorate) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (National Investigation Agency) सहित उन सभी जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे तथा रिकॉर्डिंग उपकरण लगाए जाने चाहिये जिन्हें पूछताछ एवं गिरफ्तारी का अधिकार प्राप्त है।

- सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान दिशा-निर्देश भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन की सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता) में निहित मौलिक अधिकार को प्रतिष्ठापित करते हैं। अनुच्छेद 21 में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति को विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अतिरिक्त जीवन और वैयक्तिक स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

- अनुच्छेद 21 के विस्तृत दायरे को सर्वोच्च न्यायालय ने उन्नीकृष्णन बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (1993) मामले में विस्तार से बताया है तथा सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं दिये गए निर्णय के आधार पर अनुच्छेद 21 के तहत कुछ अधिकारों की सूची प्रदान की है, इनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

► विदेश जाने का अधिकार, निजता का अधिकार, आश्रय का अधिकार, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तीकरण का अधिकार, एकांत कारावास के विरुद्ध अधिकार, हथकड़ी लगाने के विरुद्ध अधिकार, विलंबित फाँसी के खिलाफ अधिकार, हिरासत में मृत्यु के खिलाफ अधिकार, सार्वजनिक फाँसी के विरुद्ध अधिकार, डॉक्टरों की सहायता, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, प्रत्येक बच्चे को पूर्ण विकास का अधिकार, प्रदूषण मुक्त जल और वायु का अधिकार।

- ▶ राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (According to National Crime Records Bureau) के आँकड़ों के अनुसार, भारत में वर्ष 2001-2018 के बीच इस प्रकार की 1,727 मौतें दर्ज की गईं जिनके लिये केवल 26 पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया गया था। 2018 में ऐसी 70 मौतों में से केवल 4.3% मौतों के लिये ही पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया गया था जहाँ हिरासत के दौरान पीटे जाने से मौतें हुई थीं।

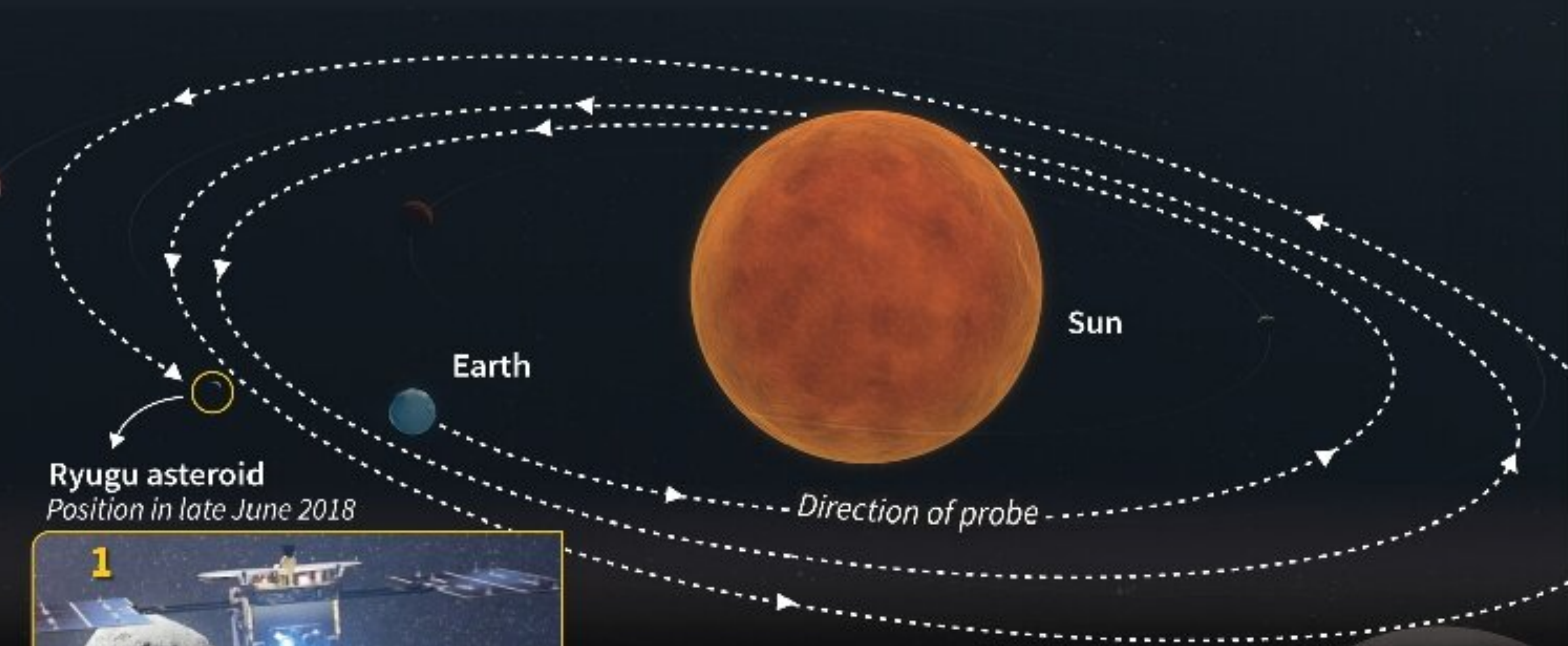
- अभिरक्षा (Custodial) में मौतों के अलावा 2000-2018 के बीच पुलिस के खिलाफ 2,000 से अधिक मानवाधिकार उल्लंघन के मामले भी दर्ज किये गए थे जिनमें केवल 344 पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया गया था। यातना के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (United Nations Convention Against Torture) का भारत हस्ताक्षरकर्ता नहीं है, जिसके तहत राज्यों को अपने अधिकार क्षेत्र के किसी भी क्षेत्र में अत्याचार को रोकने के लिये प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता होती है। यह देशों को अपने नागरिक उन देशों में भेजने से मना करता है, जहाँ यह आशंका होती है कि उन्हें यातना झेलनी पड़ सकती है।

हायाबुसा-2 अंतरिक्ष यान (Hayabusa2 Spacecraft)



Hayabusa2 mission

A series of explorations carried out by the Japanese space agency's probe that could reveal more about the origin of life on Earth



Ryugu asteroid
Position in late June 2018



Hayabusa2
lands briefly
on asteroid



MASCOT robot dropped
onto Ryugu to analyse
surface



Soil samples
collected



5 Samples
brought
back to Earth

Probe mission highlights

- Dec 2014
Launched from Tanegashima Space Center
- Jun 2018
Reaches Ryugu asteroid
- Sep-Oct 2018
Deposits first two rovers and then an observation robot on the surface
- Feb 2019
Makes first touchdown, blasts small bullet into surface and collects stirred up dust
- Apr 2019
Blasts crater in asteroid, using impactor
- Jul 2019
Descends for second touchdown to collect samples blasted from under surface in April operation
- Nov-Dec 2019
Expected to depart asteroid
- Late 2020
Return to Earth with samples

Ryugu asteroid:

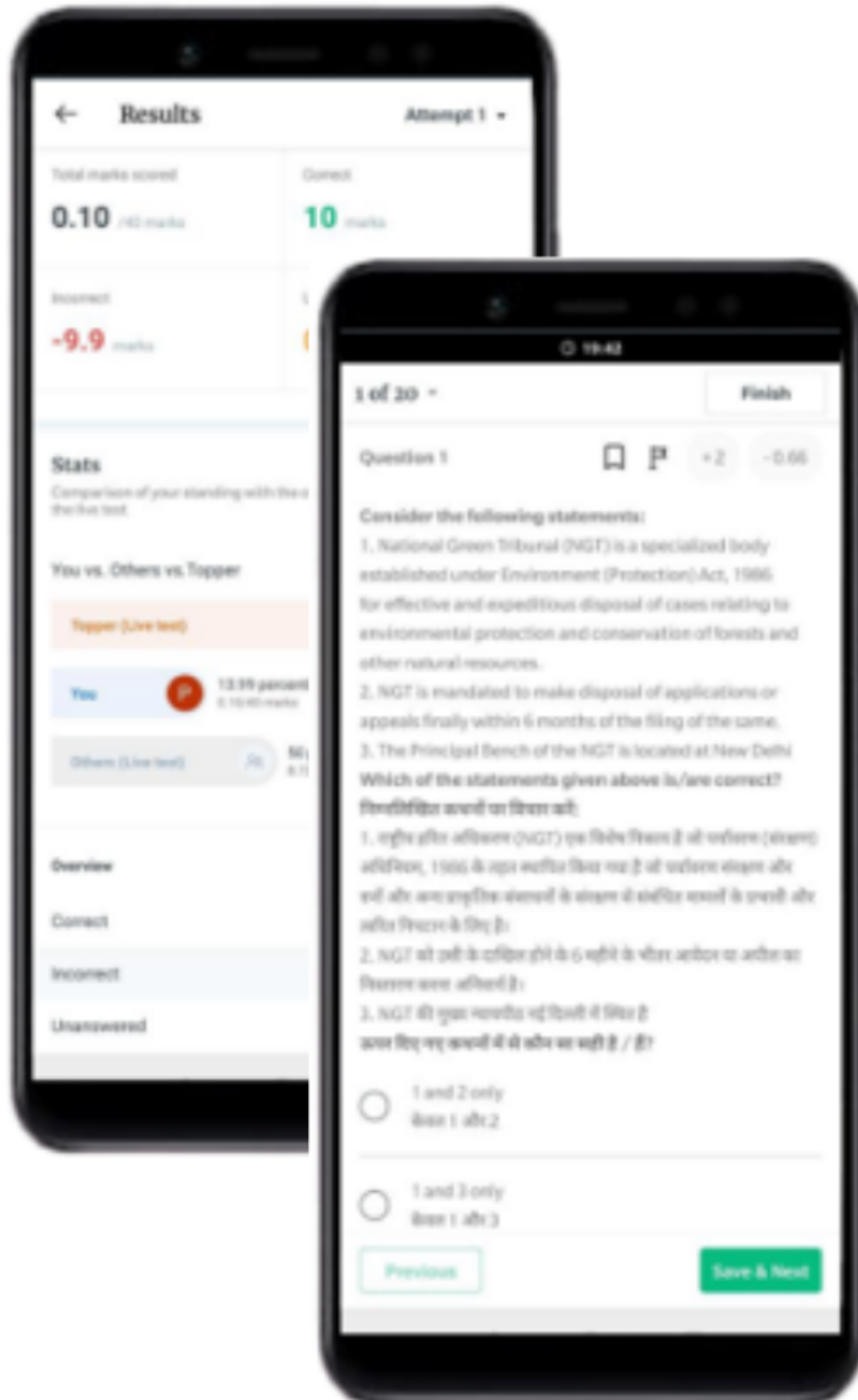
- 300 mln km from Earth
- Spherical shape
- 900 m in diameter
- Rotates every 7.5 hrs
- C-type (carbonaceous)

- जापान का अन्तरिक्ष यान हायाबुसा-2 सुदूर अन्तरिक्ष में स्थित क्षुद्रग्रह से नमूने लेकर धरती को ओर लौट रहा है।
- जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के अधिकारियों ने अनुसार हायाबुसा-2 अंतरिक्ष यान अपने प्रक्षेप पथ पर है और यह सुदूर स्थित एक क्षुद्रग्रह से नमूने लेकर लिए पृथ्वी पर पहुंच रहा है।

- हायाबुसा-2 द्वारा लाये जा रहे क्षुद्रग्रह के नमूने से सौर प्रणाली सहित पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति का पता लगाने में मदद मिल सकती है। यह अन्तरिक्ष यान क्षुद्रग्रह रूगु (Ryugu) से चट्टानों के नमूनों को धरती में ला रहा रहा है। ये नमूने जिस कैप्सुल में रखे हैं उसे अंतरिक्ष यान धरती से 2,20,000 किलोमीटर (1,36,700 मील) दूरी पर ही छोड़ देगा जोकि रविवार को ऑस्ट्रेलिया के एक दूरस्थ, आबादी वाले क्षेत्र वूमेरा में धरती पर पहुंचेगा। जब यह कैप्सुल धरती से 10 किमी की दूरी पर होगा तो इसका पैरासूट खुल जाएगा और यह सुरक्षित धरती पर आ जाएगा।

► हायाबुसा-2 अंतरिक्ष मिशन जापानी अंतरिक्ष एजेंसी, JAXA द्वारा संचालित मिशन है। जापान ने इस अंतरिक्ष यान को धरती निकट स्थित एक क्षुद्रग्रह नमूना एकत्र कर उसे धरती पर वापस लाने के लिए भेजा था।

इसे 3 दिसंबर 2014 को लॉन्च किया गया था और यह 27 जून 2018 को पृथ्वी के निकट स्थित क्षुद्रग्रह 162173 रूगु (Ryugu) पहुंचा था। रिमोट सेंसिंग, सैंपलिंग की सुविधाओं से युक्त हायाबुसा-2 चार छोटे रोवर्स अपने साथ ले गया था।



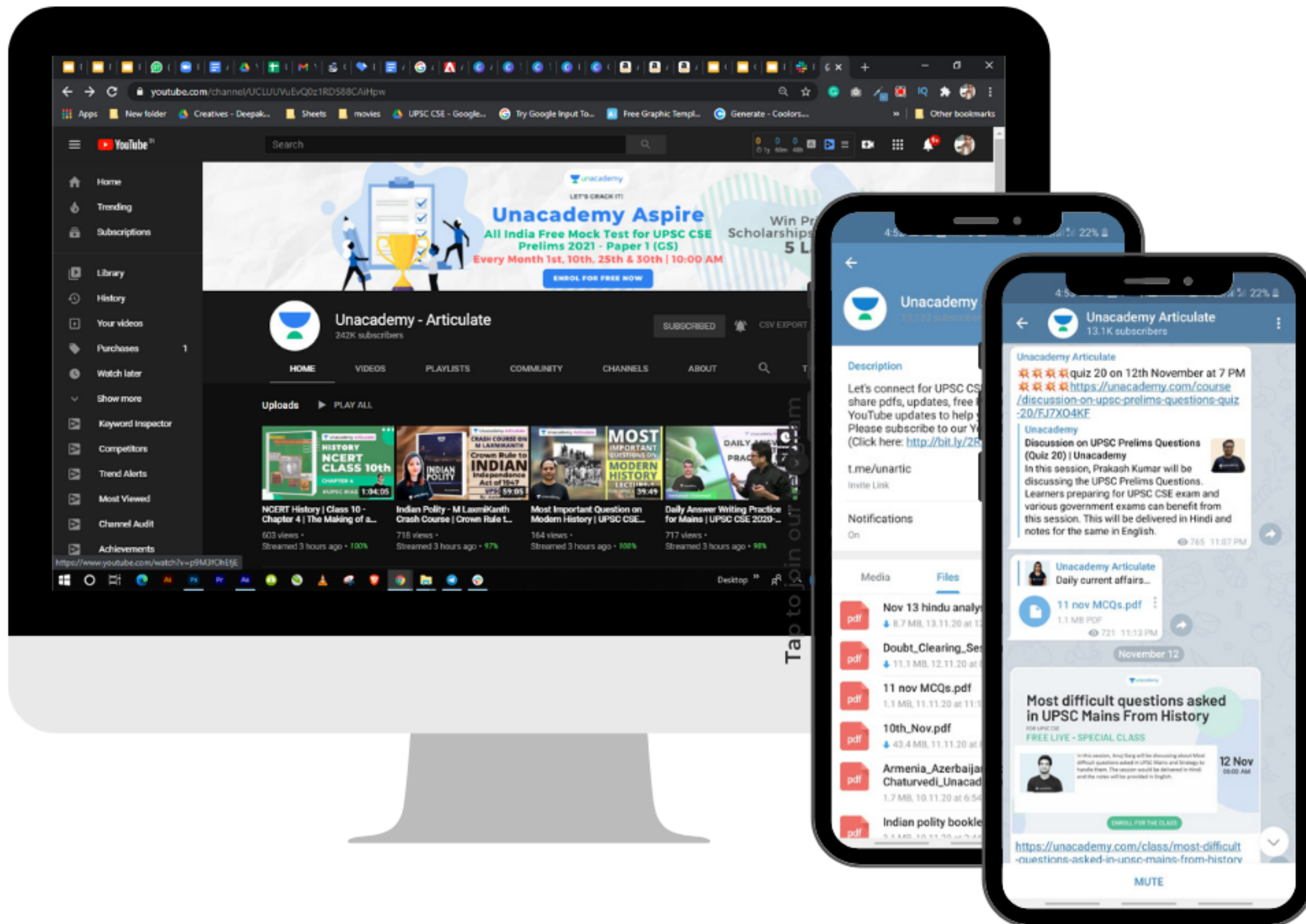
To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: **CIVILHINDIPEDIA**



Free Learning Platforms



YouTube

Unacademy Articulate

- Free Live class
- Daily Current Affairs
- UPSC CSE special event notifications
- Book Summary



Telegram

Unacademy Articulate

- Free Live class notifications
- Free PDFs & study material
- Daily free Youtube session updates
- UPSC CSE special event notifications
- Free test series notifications



**प्रयोगशाला में उत्पादित मांस: विश्व में उभरता
हुआ विकल्प**

**(Lab-grown meat: emerging
alternative worldwide)**



- हाल ही में, सिंगापुर खाद्य एजेंसी (Singapore Food Agency– SFA) द्वारा प्रयोगशाला में उत्पादित मांस (lab-grown meat) उत्पादों को बिक्री के लिए स्वीकृति प्रदान की गयी है।
- संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (Food and Agriculture Organisation– FAO) द्वारा जून 2020 में जारी की गयी खाद्य आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, मांस के वैश्विक उत्पादन में 333 मिलियन टन की कमी आने की संभावना है, जो कि वर्ष 2019 की तुलना में 1.7% कम होगी।

- इसका मुख्य कारण कोविड-19 होगा किंतु, जूनोटिक बीमारियाँ, विशेषकर अफ्रीकी स्वाइन फ़ीवर और उच्च रोगजनक पक्षियों से होने वाले इन्फ्लुएंजा की आशंका, भी मांस-उत्पादन में होने वाली कमी में प्रमुख कारक होगी। यह वैकल्पिक मांस उद्योग (alternative meat industry) के लिए एक अच्छा अवसर है।

- वनस्पति निर्मित मांस (Plant-Based Meat), सोया अथवा मटर प्रोटीन जैसे स्रोतों से निर्मित किया जाता है, जबकि संवर्धित मांस (Cultured Meat) को प्रयोगशाला में सीधे कोशिकाओं से उगाया जाता है। दोनों प्रकार के मांस का उद्देश्य एक ही होता है: पारंपरिक मांस उत्पादों का विकल्प पेश करना, अधिक संख्या में लोगों की खाद्य जरूरतों को पूरा करना, जूनोटिक रोगों के खतरे को कम करना, मांस की खपत के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना। कोशकीय संरचना के संदर्भ में, संवर्धित मांस, पारंपरिक मांस के समान होता है सिवाय इसके कि संवर्धित मांस प्रत्यक्षतः जानवरों से उत्पादित नहीं होता है।

- चूंकि संवर्धित मांस का उत्पादन स्वच्छ जगहों किया जाता है, अतः साल्मोनेला (Salmonella) और ई-कोलाई (E coli) जैसे रोगजनकों द्वारा दूषित होने का खतरा काफी कम हो जाता है, जबकि पारंपरिक बूचड़खानों और मांस-पैकिंग कारखानों में इसका खतरा रहता है। इसमें मांस के लिए पाले जाने वाले जानवरों के विपरीत, एंटीबायोटिक दवाओं की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे एंटीबायोटिक प्रतिरोध क्षमता में वृद्धि होती है और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा कम हो जाता है।

➤ संवर्धित मांस के व्यापक रूप से उपलब्ध होने में अभी कई महत्वपूर्ण बाधाएं हैं।

➤ जैसे:

* सामर्थ्यता

* उपभोक्ताओं का अविश्वास

* पारंपरिक मांस उत्पादकों का विरोध

* संवर्धित मांस का उत्पादन

- GFI (The Good Food Institute) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 के अंत तक 55 कंपनियों द्वारा मुख्य रूप से संवर्धित मांस उत्पादों का उत्पादन किया जा रहा था। इसमें शामिल हैं: इज़राइल में फ्यूचर मीट टेक्नोलॉजीज (चिकन, मेमना, बीफ़), तुर्की में बिफ़टेक (बीफ़), स्पेन में क्यूबिक फूड्स (चिकन वसा), नीदरलैंड स्थित मीटेबल (सूअर का मांस, बीफ़), फ्रेंच कंपनी गॉरमेट (फ़िबीस) और यूएस-बेस्ड टेक्नोलॉजीज मेम्फिस मीट (बीफ़, चिकन, बतख)। इसके अलावा दिल्ली स्थित क्लियर मीट, संवर्धित चिकन विकसित कर रहा है।

**महामारी के कारण 2030 तक एक अरब से
ज्यादा लोग घोर गरीबी की ओर जा सकते हैं:
संयुक्त राष्ट्र**





UNITED NATIONS

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एक नए अध्ययन में सामने आया है कि कोविड-19 महामारी के गंभीर दीर्घकालिक परिणामों के चलते 2030 तक 20 करोड़ 70 लाख और लोग घोर गरीबी की ओर जा सकते हैं और अगर ऐसा हुआ तो दुनिया भर में बेहद गरीब लोगों की संख्या एक अरब के पार हो जाएगी। अध्ययन में कोविड-19 से उबरने के विभिन्न परिदृश्यों के कारण सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर पड़ने वाले असर और महामारी की वजह से अगले दशक तक पड़ने वाले बहुआयामी प्रभावों का आकलन किया गया।

- यह अध्ययन यूएनडीपी और डेनवर विश्वविद्यालय में 'पारडी सेंटर फॉर इंटरनेशनल फ्यूचर्स' के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी का हिस्सा है। अध्ययन के मुताबिक, "कोविड-19 महामारी के गंभीर दीर्घकालिक परिणामों के चलते वर्ष 2030 तक 20 करोड़ 70 लाख और लोग घोर गरीबी की ओर जा सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो दुनिया भर में बेहद गरीब लोगों की संख्या एक अरब के पार हो जाएगी।

- इसमें कहा गया है कि 'हाई डैमेज' परिदृश्य के तहत कोविड-19 के चलते वर्ष 2030 तक 20 करोड़ 70 लाख और लोग घोर गरीबी की ओर जा सकते हैं। यूएनडीपी के प्रशासक अचिम स्टीनर ने कहा कि नया गरीबी शोध यह दिखा है कि इस वक्त नेता जो विकल्प चुनेंगे, वे दुनिया को अलग-अलग दिशाओं में ले जा सकते हैं।

आकाशवाणी सार

ये आकाशवाणी है....



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने की दस तारीख को नई दिल्ली में प्रस्तावित नए संसद भवन की आधारशिला रखेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने बताया कि नए भवन का निर्माण अगले एक सौ वर्ष की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नए संसद भवन की निर्माण लागत 971 करोड़ रुपये होगी, जिसमें समितियों के कक्षों और राजनीतिक दलों के कार्यालयों के लिए अधिक जगह मिलेगी।

- उन्होंने कहा कि यह भवन आत्मनिर्भर भारत के लोकतंत्र का मंदिर होगा, जिसमें राष्ट्र की विविधता परिलक्षित होगी। उन्होंने कहा कि नया भवन पुराने संसद भवन से 17 हजार वर्ग मीटर बड़ा होगा।
- ये हमारा नया संसद भवन बनेगा जो हम सबके लिए गौरव का प्रतीक होगा क्योंकि यहां से हमने पुराने संसद भवन से हमारी आजादी की यात्रा शुरू की थी। जब आजादी के 75 वर्ष होंगे। तब हम नए संसद भवन के अंदर जो हमारे गौरवपूर्व इतिहास का लोकतंत्र का मंदिर होगा, वहां हम सदन की दोनों सभाएं वहां पर शुरू करेंगे।***

- जानी-मानी दवा निर्माता कंपनी फाइज़र ने देश में कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग की अनुमति मांगी है। फाइज़र इंडिया ऐसी पहली कंपनी है जिसने इस वैक्सीन की भारत में बिक्री के लिए आयात करने का औषधि महानियंत्रक को आवेदन दिया है। ब्रिटेन और बहरीन में फाइज़र कंपनी को यह अनुमति पहले ही मिल चुकी है। देश में इस समय पांच तरह की वैक्सीन का परीक्षण चल रहा है। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, ऑक्सफॉर्ड -एस्ट्राजैनेका की वैक्सीन के तीसरे चरण का परीक्षण कर रही है।

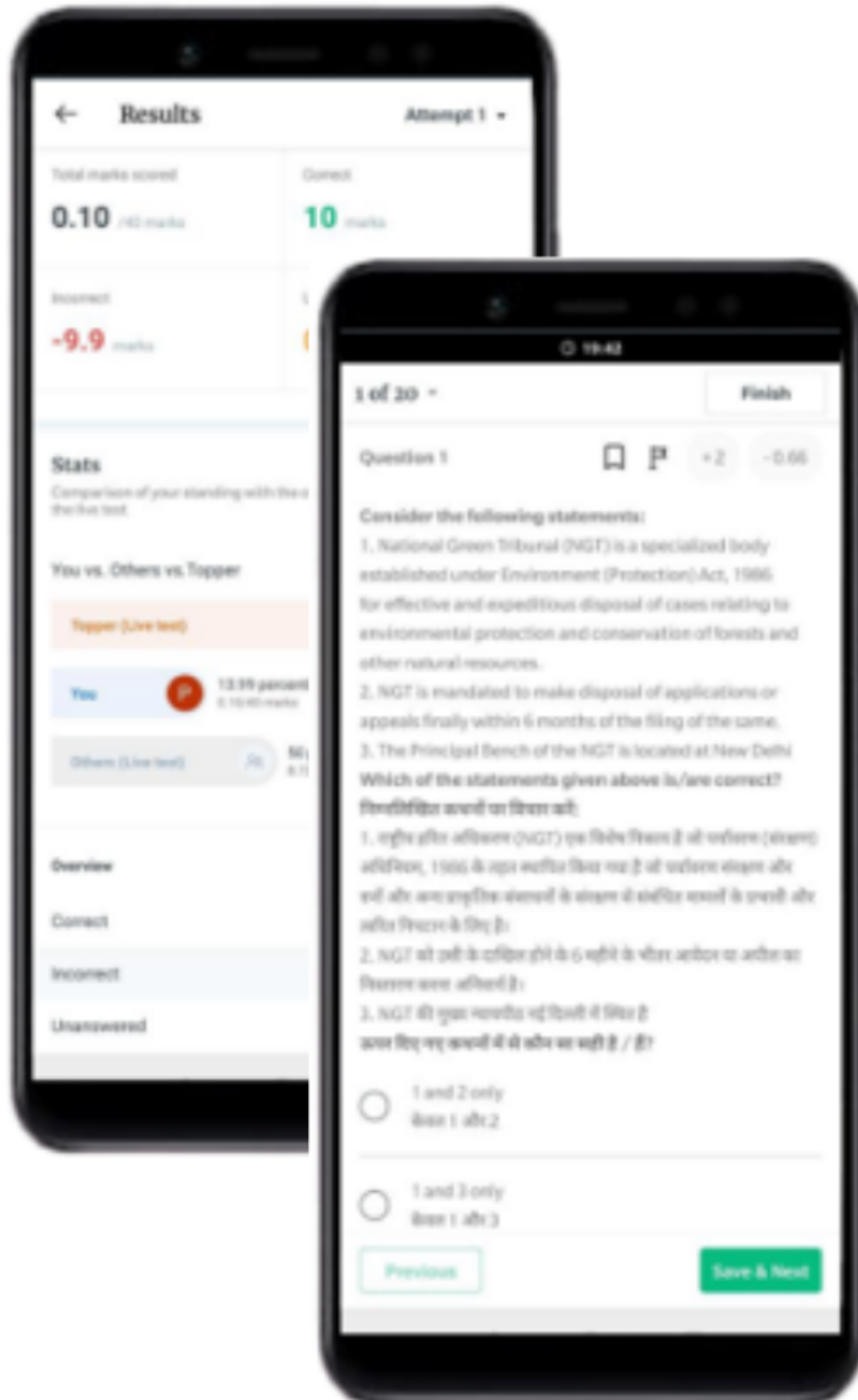
- भारत बायोटेक और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद - आईसीएमआर द्वारा मिलकर स्वदेश में विकसित वैक्सीन का भी तीसरे चरण का ट्रायल चल रहा है। दवा कंपनी जाइडस कैडिला को भी स्वदेश में विकसित वैक्सीन के तीसरे चरण के परीक्षण की अनुमति दी गई है। डॉक्टर रेड्डीज लैबोरेट्रीज और रशियन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट फंड ने भी भारत में स्पुतनिक - 5 वैक्सीन के दूसरे और तीसरे चरण का परीक्षण शुरू किया है। बायोलॉजिकल ई. लिमिटेड ने भी अपनी वैक्सीन के पहले और दूसरे चरण का परीक्षण प्रारंभ किया है।***

- आज (4 Dec) नौसेना दिवस है। यह दिन भारतीय नौसेना की उपलब्धियों और महत्वपूर्ण भूमिका की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए हर साल चार दिसंबर को बनाया है। 1971 में आज ही के दिन भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन ट्राइडेंट के दौरान पीएनएस खैबर सहित पाकिस्तानी नौसेना के चार पोतों को डुबा दिया था, जिससे सैकड़ों पाकिस्तानी नौसैनिक मारे गए थे।***

Subscribe to Unacademy Plus

For 10% OFF Use Code

CIVILHINDIPEDIA



To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: **CIVILHINDIPEDIA**



Plus UPSC CSE Subscription

unacademy

Question

ROHIT SACHAN:
Sir please solve the one more doubt...

Handwritten notes:
 NO_2^+
 $\text{E}^+ \rightarrow$ attacks on e^- rich system

Handwritten notes:
 $\text{HNO}_3/\text{H}_2\text{SO}_4$

Chat messages:
Chaudhuri nitration
Rohit Sachan Sir Baa rha mera
Sinchan Dutta Chaudhuri right
Shoaib Alam Left
Vsvsg Right
Prashant Singh joined
Rohit Sachan Left

Revision Test

Test

$P_{\text{gas}} = 4$

gas

View solutions Share your results

68 correct 2 un

Review Physics Chemistry Mathematics

Physics

Score 88/120 Accuracy 73%

NEGATIVE MARKING YOU MISSED OU

- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

4:56 50%

UPSC CSE - GS subscription

PLUS ICONIC*

- ✓ India's Best Educators
- ✓ Interactive Live Classes
- ✓ Structured Courses & PDFs
- ✓ Live Tests & Quizzes
- ✗ Personal Coach
- ✗ Mains Q&A practice

UPSC CSE - GS Iconic prices will be increased soon

12 months	₹49,500	>
No cost EMI	₹4,125 per month	
24 months	₹72,000	>
No cost EMI	₹3,000 per month	
36 months	₹90,000	>
No cost EMI	₹2,500 per month	

View all plans

Have a referral code?

Iconic UPSC CSE Subscription

unacademy

Question

ROHIT SACHAN:
Sir please solve the one more doubt...

Handwritten notes: NO_2^+ , E^+ attacks on e^- rich system, $\text{HNO}_3/\text{H}_2\text{SO}_4$, e^- deficient

Chat: Chaudhuri nitration, Rohit Sachan Sir Baa rha mera, Sinchan Dutta Chaudhuri right, Shoaib Alam Left, Vsvsg Right, Prashant Singh joined, Rohit Sachan Left

Revision Test

P_{ext}

$P_{\text{gas}} = 4$

Handwritten notes: P_{ext} , P_{gas}

View solutions Share your results

68 correct 2 un

Overview Physics Chemistry Mathematics

Physics

Score 88/120 Accuracy 73%

NEGATIVE MARKING YOU MISSED QU

- Personal Coach
- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard

- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

12:30 8:30 92%

UPSC CSE - GS

Mrunal's Mains Ans Writing [FLM/R1] GSM3: Economy-Capitalism

Mrunal Patel

Watch now Trending in Top 10

See all free classes →

Get UPSC CSE - GS subscription and unlock more

- India's best educators
- Daily interactive live classes
- Structured courses and PDFs
- Live Mock Tests & Quizzes

Introducing ICONIC Plan

Take Your UPSC Preparation to Next Level with Your Personal Coach

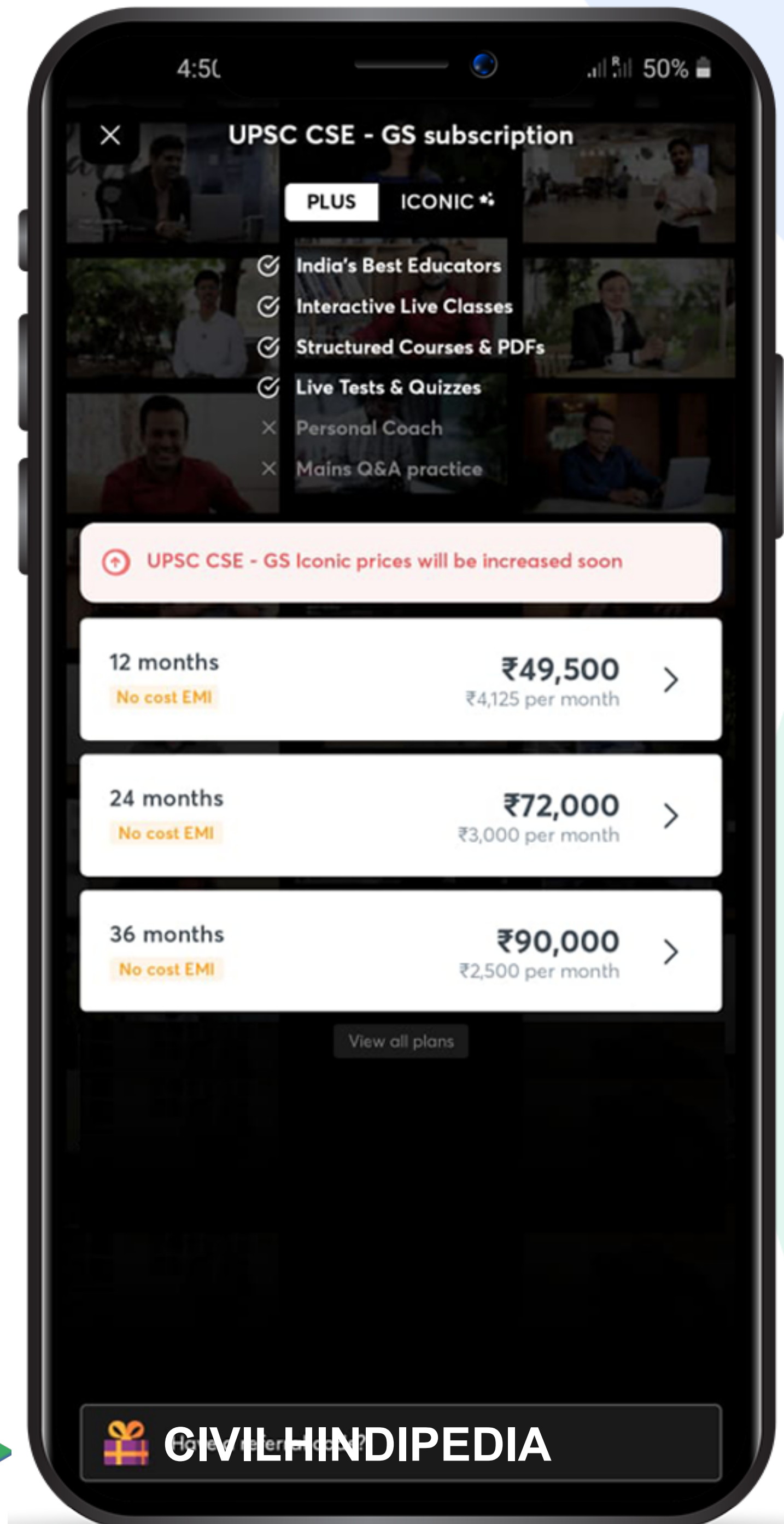
Learn More

Get subscription

Browse Syllabus Tests Subscribe

For a massive 10% Discount
Use Code **CIVILHINDIPEDIA**

CIVILHINDIPEDIA



 CIVILHINDIPEDIA



Thank You